



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड  
THDC INDIA LIMITED  
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)  
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

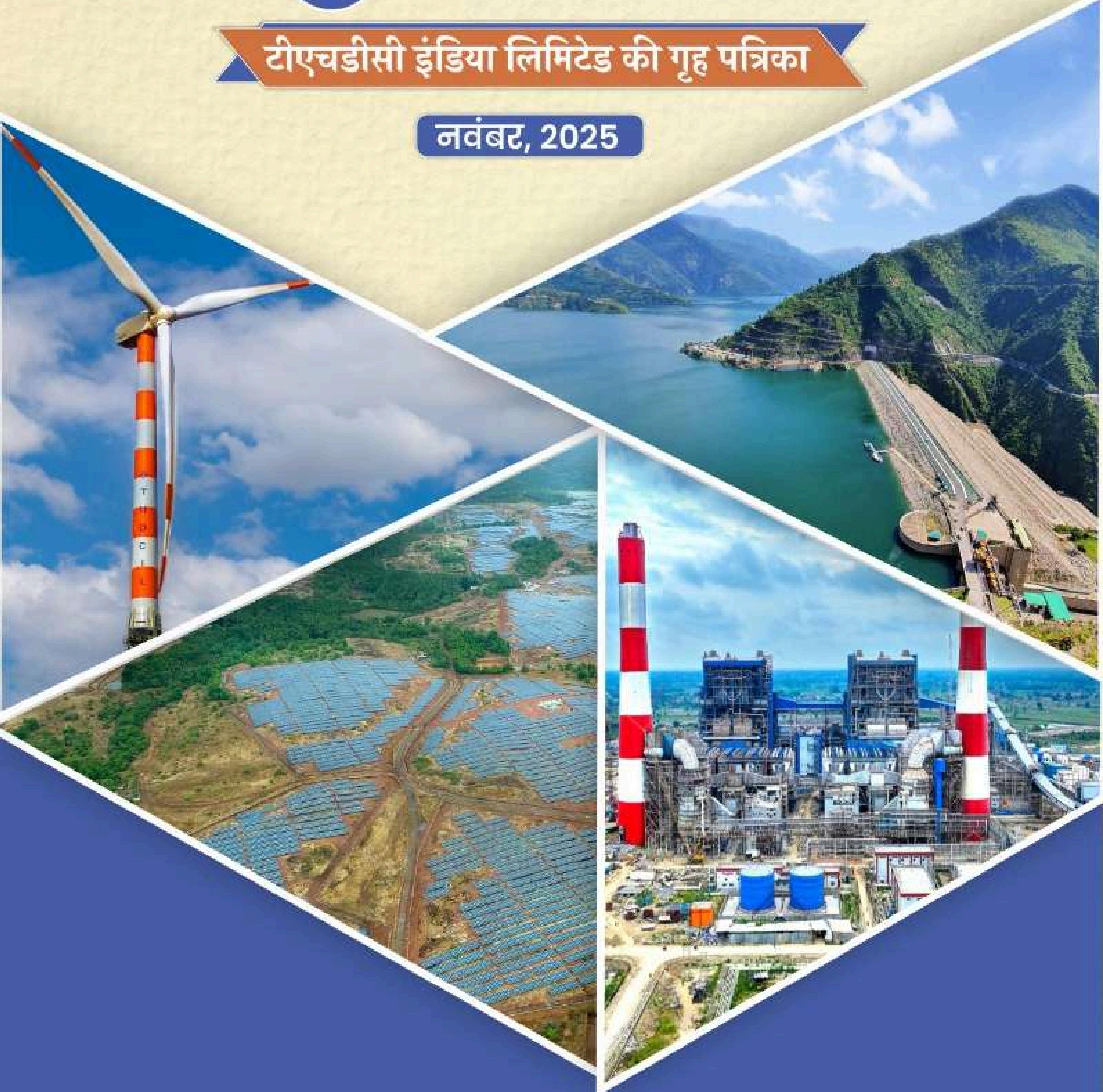


# जंगावतरणम्

# GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

नवंबर, 2025



## संपादकीय



प्रिय पाठकों,  
टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह-पत्रिका  
'गंगावतरणम्' के नवंबर 2025 अंक को  
आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक  
प्रसन्नता हो रही है।

हर माह की भाँति इस माह भी हम आपके  
समक्ष निगम की उपलब्धियों, प्रगति, नवाचारों

और विविध गतिविधियों का एक प्रेरणादायक संकलन प्रस्तुत कर रहे हैं। यह  
पत्रिका न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि यह उस निरंतर ऊर्जा, टीमवर्क और  
प्रतिबद्धता का दर्पण भी है जिनके परिणामस्वरूप टीएचडीसी नित नई ऊंचाइयां  
प्राप्त कर रही है।

नवंबर माह निगम के लिए अत्यंत व्यस्त, रचनात्मक और उपलब्धियों से भरा रहा।  
टिहरी झील में आयोजित चौथा टिहरी वाटर स्पोर्ट्स कप अपने शानदार आयोजन  
और व्यापक सहभागिता के लिए विशेष रूप से सराहा गया।

इसी माह, 14 से 27 नवंबर 2025 तक आयोजित IITF-2025 में भी  
टीएचडीसी ने प्रभावशाली भागीदारी दर्ज की। निगम द्वारा लगाया गया आकर्षक  
व अत्याधुनिक स्टॉल आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

इस माह का एक और गर्व का क्षण रहा, ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं स्वच्छ  
ऊर्जा समाधान को बढ़ावा देने के लिए टीएचडीसी को 'Global Clean  
Energy Innovator of the Year' सम्मान प्राप्त होना। यह उपलब्धि न  
केवल हमारे तकनीकी कौशल का प्रमाण है, बल्कि यह हमारे भावी दृष्टिकोण और  
नवाचार-उन्मुख कार्यसंस्कृति का भी प्रतीक है।

ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा जागरूकता जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर निगम  
द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसमें  
पूरे उत्तराखण्ड के 242 विद्यालयों से 1,90,241 छात्र-छात्राओं की भागीदारी रही।  
नवंबर माह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन भी पूरे उत्साह के साथ  
किया गया। कॉर्पोरेट कार्यालय तथा सभी परियोजना इकाइयों में अनेक  
गतिविधियां, प्रतियोगिताएँ और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

टीएचडीसी परिवार के प्रत्येक सदस्य, कर्मचारी, स्थानीय लोग और स्कूली छात्रों, ने  
सक्रिय रूप से भाग लेकर निवारक सतर्कता के मूल संदेश को सशक्त किया।  
इस माह पत्रिका में रिसर्च एंड डेवलपमेंट विभाग द्वारा हाल ही में पूर्ण किए गए  
प्रोजेक्ट्स तथा वर्तमान में चल रहे नवाचारों का विस्तृत विवरण भी सम्मिलित  
किया गया है। इसका उद्देश्य सभी कर्मचारियों तक तकनीकी प्रगति, अनुसंधान  
गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की स्पष्ट जानकारी पहुंचाना है।

नवंबर माह उपलब्धियों के साथ-साथ टीएचडीसी परिवार के लिए अत्यंत शोक का  
महीना भी रहा, जिसमें निगम के सम्मानित अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
(स्व. श्री आर. के. विश्वोई) का आकस्मिक निधन हो गया, जो टीएचडीसी ही नहीं  
बल्कि पूरे ऊर्जा क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनका नेतृत्व, दूरदृष्टि और संगठन  
के प्रति समर्पण सदैव हमें प्रेरित करता रहेगा।

संपादक मंडल गंगावतरणम् को और अधिक उपयोगी बनाने का निरंतर प्रयास कर  
रहा है। इस पत्रिका को और अधिक पठनीय बनाने के लिए अपने मूल्यवान सुझाव  
अवश्य साझा करें। अंत में, इसी आशा के साथ कि यह अंक आपको नई ऊर्जा,  
जानकारी और सकारात्मकता प्रदान करेगा:

"सफल वही होते हैं, जो निरंतर सीखते हैं, लगातार प्रयास करते हैं और हर चुनौती  
को अवसर में बदल देते हैं।"

**डॉ. ए. एन. त्रिपाठी**  
**संपादक**



**स्वस्मै स्वल्पं समाजाय सर्वस्वं।**  
**A little bit for yourself and everything for others.**

**मुख्य संरक्षक**  
**श्री सिपन कुमार गर्ग**  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

**संपादक**  
**डॉ. ए. एन. त्रिपाठी**  
मुख्य महाप्रबंधक  
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

**उप संपादक**  
**डॉ. काजल परमार**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**विशेष सहयोग**  
**श्री पंकज कुमार शर्मा**  
उप प्रबंधक (राजभाषा)

**सहायक संपादक**  
**श्री ईशान भूषण**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**समन्वयक**

**टिहरी**  
**श्री मनबीर सिंह नेगी**  
प्रबंधक (जनसंपर्क)

**कौशांबी**  
**श्री के. सूर्या मौली**  
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

**खुर्जा**  
**श्री प्रभात कुमार**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**पीपलकोटी**  
**श्री यतवीर सिंह चौहान,** प्रबंधक (जनसंपर्क)  
**व श्री अविनाश कुमार**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**ऋषिकेश**  
**श्री अभिषेक तिवारी**  
जनसंपर्क अधिकारी



## अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

**प्रिय साथियों,**

‘गंगावतरणम्’ के इस अंक के माध्यम से आप सभी से संवाद करते हुए मुझे गहन जिम्मेदारी और संगठनात्मक प्रतिबद्धता का एहसास हो रहा है। बीते माह हमारे प्रिय पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, स्व. श्री आर. के. विश्वोई जी के आकस्मिक निधन ने पूरे टीएचडीसी परिवार को अत्यंत मर्माहत किया है। उनका दूरदर्शी नेतृत्व, सादगी, कार्य के प्रति समर्पण और संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की उनकी अद्भुत क्षमता हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगी। आज जब मैं यह दायित्व संभाल रहा हूं, तो मन में उनके प्रति गहरी श्रद्धांजलि और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का दृढ़ संकल्प है।

टीएचडीसी परिवार की सामूहिक शक्ति और आपके भरोसे के साथ आगे बढ़ते हुए, आप सबसे गंगावतरणम् के माध्यम से संवाद करते हुए मुझे संतोष की अनुभूति हो रही है। नव-वर्ष की ओर बढ़ते हुए, यह अवसर हमारे लिए नए संकल्पों, नई ऊर्जा और नए लक्ष्यों का है। यह मासिक पत्रिका न केवल हमारी प्रगति, उपलब्धियों और गतिविधियों का दर्पण है, बल्कि यह हम सभी को एक सूत्र में जोड़े रखने वाला महत्वपूर्ण सेतु भी है।

जैसे-जैसे हम वर्ष के अंतिम पड़ाव पर हैं और एक नए वर्ष की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हमें याद रखना चाहिए कि प्रत्येक नया वर्ष अपने साथ नई चुनौतियां, नए अवसर और अनंत संभावनाएं लेकर आता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि टीम-भावना, तकनीकी उत्कृष्टता और संगठन के प्रति आपकी निष्ठा के बल पर टीएचडीसी आने वाले समय में और भी ऊँचाइयां प्राप्त करेगा।

बीते माह मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 बड़ी सक्रियता और सहभागिता के साथ सम्पन्न हुआ। “सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी” थीम के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं, रैलियों और जन-जागरूकता गतिविधियों ने यह सिद्ध किया कि टीएचडीसी का प्रत्येक सदस्य निवारक सतर्कता का पथ-प्रदर्शक है।

इसी माह टिहरी वाटर स्पोर्ट्स कप का चौथा संस्करण देश-विदेश के खिलाड़ियों और आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना। माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड द्वारा इसकी सराहना, टीएचडीसी के इस योगदान की महत्ता को और बढ़ाती है। खेलों को प्रोत्साहित करने, युवा शक्ति को दिशा देने और एडवेंचर स्पोर्ट्स संस्कृति को बढ़ावा देने में टीएचडीसी की भूमिका निरंतर सुदृढ़ हो रही है।

संविधान दिवस के अवसर ने हमें यह पुनः स्मरण कराया है कि हमारा संविधान राष्ट्र की आत्मा है तथा न्याय, समानता, स्वतंत्रता और कर्तव्यपरायणता का आधार भी है। टीएचडीसी परिवार के रूप में हमारा उत्तरदायित्व है कि हम इन मूल्यों को अपने प्रत्येक कार्य, निर्णय और आचरण में जीवंत रखें।

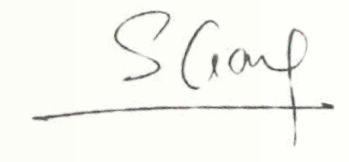
मुझे यह साझा करते हुए संतोष की अनुभूति है कि टीएचडीसी की सभी प्रमुख परियोजनाएँ संतोषप्रद प्रगति कर रही हैं, 1000 मे.वा. टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट, 444 मे.वा. वीपीएचईपी पीपलकोटी, 1320 मे.वा. खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट तथा अमेलिया कोल माइन परियोजना, योजनानुसार आगे बढ़ रही हैं, जबकि अरुणाचल प्रदेश परियोजनाओं और अन्य इकाइयों की टीमें भी दक्षता, सतर्कता और उच्च कार्य-मानकों के साथ निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी अवसंरचना में नहीं, बल्कि आप जैसे समर्पित, दक्ष और निष्ठावान कर्मियों में निहित है, जिनकी मेहनत और टीम-भावना के कारण ही टीएचडीसी स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटलीकरण, नवाचार और आर एंड डी के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है।

जैसे ही हम नये वर्ष का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं, मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूं कि आप इसी ऊर्जा, समर्पण और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। हम मिलकर टीएचडीसी को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत और प्रेरणादायक भविष्य का निर्माण करेंगे।

आप सभी को आगामी महीनों और नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

सतत प्रगति और उन्नति के पथ पर...

जय हिन्द।

  
(सिपन कुमार गर्ग)  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

### Hon'ble CM Shri Pushkar Singh Dhami Graced Closing Ceremony of Tehri Water Sports Cup 2025 Hosted by THDC India Limited



International Kayaking and Canoeing Competition, President Cup and the 4th Edition of the Tehri Water Sports Cup 2025 hosted by THDC India Limited concluded on 30 November, 2025 at the Tehri Dam Reservoir, Tehri Garhwal. The grand closing ceremony was graced by the Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand, Sh. Pushkar Singh Dhami, as the Chief Guest who was warmly welcomed by Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDC India Limited.

The closing ceremony of this 03-day International event (28th-30th November, 2025) was held in the presence of Sh. Subodh Uniyal, Hon'ble Forest, Bhasha, Election and Technical Education Minister, Govt. of Uttarakhand; Ms. Ishita Sajwan, Hon'ble President, Zila Panchayat (Tehri); Sh. Kishore Upadhyay, Hon'ble MLA Tehri, Sh. Shakti Lal Shah Hon'ble MLA Ghansali; Sh. Vikram Singh Negi, Hon'ble MLA Pratap Nagar; Sh. Vinod Kandari, Hon'ble MLA Devprayag; Sh. Uday Singh Rawat, District President (BJP) Uttarakhand; Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDCIL; Sh. L. P. Joshi, CTO, THDCIL; Sh. Mohan Singh Rawat, President, Nagar Palika Parishad; Sh. M. K. Singh, CGM (Tehri Complex); Dr. D. K. Singh, Secretary General UOA, and Sh. Prashant Kushwaha, President of the Asian Kayaking Canoeing Association.

Addressing the gathering, Hon'ble Chief Minister lauded THDC India Limited for successfully hosting this sporting spectacle for the fourth consecutive year. With participation from athletes representing 22 countries, the event showcased Uttarakhand's emergence as a global venue for elite water sports. He commended the medalists and all participating teams for their exceptional performances, acknowledging the skill, discipline, and sportsmanship displayed throughout the competition.

Hon'ble CM also noted that Tehri Lake is not only a vital source of power generation but has also emerged as a rapidly expanding centre for tourism, adventure sports, and regional economic growth. He encouraged young athletes to persist in their pursuit of excellence and assured them of steadfast support from both the Central and State Governments. He also paid tribute to the former CMD, THDCIL, Late Sh. R. K. Vishnoi, honouring his contributions and expressing deep sorrow at his untimely demise.

Sh. Subodh Uniyal, Hon'ble Forest, Bhasha, Election and Technical Education Minister, Govt. of Uttarakhand; conveyed his heartfelt appreciation for organizing this international event and stated that this championship reflects Uttarakhand's immense potential to emerge as a global hub for adventure and water sports.

Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDCIL, expressed profound gratitude to the Hon'ble Chief Minister for his steadfast guidance and for honouring the occasion with his esteemed presence. He also apprised Hon'ble CM and the esteemed gathering about various initiatives and efforts undertaken by THDCIL for overall Socio-Economic development of the region.

Sh. Garg affirmed that the consistent support of the State Government remains pivotal in enabling THDCIL to host world-class sporting events of this scale. He added that THDCIL is actively working to advance the vision of the Government of Uttarakhand to establish the State as a premier global sports hub, with the High-Performance Academy at Koteshwar standing as a testament to this commitment by offering world-class training and facilities to emerging athletes.

Sh. Kishore Upadhyay Hon'ble MLA Tehri, highlighted that initiatives like the Tehri Water Sports Cup play a vital role in promoting sports culture, encouraging youth participation, and boosting tourism, thereby contributing to the overall development of the State.

Over the course of the championship, athletes, coaches, and officials from 22 countries, various states across India, and services teams participated in 126 races across 44 Kayaking and Canoeing events, making the tournament a powerful platform for showcasing skill, competitiveness, and true sportsmanship.

**Sh. Shripad Naik, Union Minister of State for Power, Inaugurated the Ministry of Power Pavilion at IITF 2025 and Visited THDCIL's Stall**



Sh. Shripad Naik, Hon'ble Union Minister of State for Power and New & Renewable Energy, Government of India, inaugurated the Ministry of Power Pavilion on 14 November, 2025 at the India International Trade Fair (IITF) 2025, being organized at Pragati Maidan, New Delhi, from November 14 to 27, 2025. Sh. Piyush Singh, Additional Secretary, Ministry of Power, Sh. Mohd. Afzal, Joint Secretary (Hydro), Ministry of Power and other senior officers from the Ministry of Power were also present during the occasion.

Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, welcomed the Hon'ble Minister at the THDCIL stall and briefed him on the corporation's latest initiatives, operational developments, and strategic progress. Sh. Neeraj Verma, Executive Director (I/C), NCR, Dr. A. N. Tripathy, Chief General Manager (HR&A and CC) and other officials were also present at THDCIL pavilion. THDCIL's stall at IITF 2025 highlighted the corporation's journey as a key renewable energy public sector enterprise, showcasing models, digital displays, and informative panels on the Tehri Hydropower Complex, Pumped Storage Projects, and its growing portfolio. The stall also featured THDCIL's initiatives in sustainability, disaster-resilient infrastructure, and community development in project areas.

**THDC Unveils 11 MW Floating Solar Project at Khurja Super Thermal Power Plant**



Sh. R. K. Vishnoi, Ex-CMD, THDCIL, inaugurated the 11 MW Floating Solar Power Plant located within the premises of Khurja Super Thermal Power Project, Bulandshahr, Uttar Pradesh on 11th Nov, 2025. This state-of-the-art floating solar project will contribute to the enhancement of THDC's green energy portfolio, promoting clean and sustainable power generation while optimizing water surface utilization. Sh. Vishnoi highlighted that the Khurja Project is the flagship thermal venture of THDC India Ltd. and will play a vital role in strengthening the nation's power infrastructure. THDC's vision is to emerge as a fully diversified energy company with a strong presence in both conventional and Renewable energy sectors.

During the occasion, Sh. Vishnoi inspected the main plant area, including the control room and reviewed the progress of construction activities including implementation of safety and quality protocols. He also interacted with officers and employees of KSTPP and motivated them to continue working with the zeal and commitment towards achieving THDCIL's mission of excellence in the power sector.

Sh. Sipan Kumar Garg, CMD, THDC India Limited, conveyed his heartfelt congratulations on this achievement and emphasized that the inauguration of the 11 MW Floating Solar Power Plant not only adds to the organization's renewable capacity but also demonstrates THDC's technological competence and innovative approach towards harnessing solar energy through eco-friendly methods.

Sh. Kumar Sharad, Executive Director (Project); Sh. Neeraj Verma, Executive Director (NCR); and Sh. A. K. Goyal, Chief General Manager (MPS & Planning), along with other senior officials of THDC India Ltd., were also present on the occasion.



### **श्री सिपन कुमार गर्ग टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष**

#### **एवं प्रबंध निदेशक** के पद पर कार्यरत है।

वर्तमान में, श्री गर्ग टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (वित्त) के पद पर भी अपना कार्यभार संभल रहे हैं। श्री गर्ग कॉमर्स और विधि में ग्रेजुएट हैं तथा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के सदस्य हैं। वे कंपनी सेक्रेटरी परीक्षा में रैंक होल्डर भी हैं।

श्री गर्ग को विद्युत क्षेत्र में वित्त, लेखा, कराधान और वाणिज्यिक कार्यों में 24 वर्ष से अधिक का अनुभव है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में अपनी नियुक्ति

से पूर्व, श्री गर्ग ने एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनियों अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में बतौर मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य किया है। वे एनटीपीसी के कॉर्पोरेट लेखा समूह और कोलडैम हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में भी प्रमुख भूमिका में रह चुके हैं।

श्री गर्ग ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभागिता करते हुए और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की कई समितियों में रहकर लेखांकन व्यवसाय में बहुमूल्य योगदान दिया है, जिनमें पब्लिक फाइनेंस और गवर्नमेंट अकाउंटिंग कमेटी, अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स स्टडी ग्रुप और मेंबर्स इन इंडस्ट्री ग्रुप (पीएसयू) शामिल हैं। श्री गर्ग ने 25 नवंबर, 2025 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया।

### **THDC India Limited Honoured with 'Global Clean Energy Innovator of the Year 2025' Award**



THDC India Limited has been conferred with the prestigious 'The GEEF Global Sustainability Award 2025' under the category "Global Clean Energy Innovator of the Year 2025." The award was presented during the Global Sustainable Development Summit 2025 held at ITC Maurya Hotel, New Delhi.

Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman and Managing Director, THDCIL conveyed his heartfelt congratulations on this achievement and stated that the award reflects the organization's unwavering commitment to clean energy innovation and responsible growth. Sh. Garg noted that THDCIL continues to integrate sustainability across all operational domains, ensuring that its projects align with national priorities while upholding high standards of environmental stewardship.

THDCIL's initiatives reflect its strong commitment to clean energy, technological progress and environmentally responsible development. The organization has expanded renewable adoption through rooftop solar systems, promoted green mobility by installing EV charging stations at its Rishikesh premises and at key public locations in Uttarakhand, and strengthened ecological conservation through plantation drives, greenbelt development and restoration efforts. These efforts collectively demonstrate THDCIL's steady progression toward a more sustainable and innovation-driven energy portfolio.

The award was received on behalf of THDCIL by Sh. Harsh Kumar Jindal, GM (S&E), and Sh. Shubham Naresh, Dy. Manager (S&E), Rishikesh.



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

## THDCIL Observed Constitution Day 2025



THDC India Limited observed Constitution Day (Samvidhan Divas) with great solemnity and national pride at its Corporate office in Rishikesh, along with Project and Unit offices on 26<sup>th</sup> November, 2025. Sh. Sipan Kumar Garg, Chairman & Managing Director, THDCIL, led the observance at Ganga Bhawan, Corporate Office, Rishikesh, where he read out the Preamble to the Constitution to all employees.

During the occasion, he mentioned that the Constitution serves as the moral compass of the nation, and its core values, justice, liberty, equality, and fraternity, must continue to guide every individual and institution in contributing to nation-building with integrity and commitment.

Marking the adoption of the Constitution of India on 26<sup>th</sup> November 1949, which came into effect from 26<sup>th</sup> January 1950, this year's observance also coincided with the culmination of the nationwide, year-long celebrations themed "Hamara Samvidhan – Hamara Swabhiman."

During the occasion Sh. L. P. Joshi, Chief Technical Officer, Dr. A. N. Tripathy, Chief General Manager (HR and A & CC) along with other employees were also present.

**Khurja**



**Kaushambi**



**Pipalkoti**



**Dehradun**



**Tehri**



**TUSCO**



**Amelia**



**Constitution Day  
2025**

**Rishikesh**



**स्वस्मै स्वल्पं समाजाय सर्वस्वं।  
A little bit for yourself and everything for others.**

## टिहरी परियोजना में सतर्कता जागरूकता अभियान -2025 के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन



टिहरी परियोजना में “सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी” थीम के साथ सतर्कता जागरूकता अभियान-2025 का आयोजन 18 अगस्त, 2025 से 17 नवंबर, 2025 तक किया गया। अभियान के तहत टिहरी के निकटवर्ती ग्राम पांगरखाल में ग्रामीणों के बीच सतर्कता जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें टीएचडीसीआईएल की मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्रीमती रश्मिता झा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। इस अवधि में छात्र-छात्राओं हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएँ, जन-जागरूकता रैली, कर्मचारियों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान, श्रमिक अधिकारों पर पम्पलेट वितरण, स्वच्छता कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, पोस्टर-बैनर प्रदर्शन एवं महिला सशक्तिकरण गोष्ठी जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य सतर्कता को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में बढ़ावा देना था।

इस सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले कार्मिकों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं को श्री एम. के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (टीसी) द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

## टीएचडीसी ने उत्तराखण्ड में ऊर्जा संरक्षण पर राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का किया सफलतापूर्वक आयोजन



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा 26 नवंबर, 2025 को ऋषिकेश स्थित अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में उत्तराखण्ड राज्य हेतु ऊर्जा संरक्षण पर राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) के तत्वावधान में आयोजित किया गया। यह प्रतियोगिता स्कूली विद्यार्थियों के बीच ऊर्जा दक्षता के प्रति जागरूकता बढ़ाने की एक राष्ट्रीय पहल का हिस्सा रही। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री सिपन कुमार गर्ग ने बदलते वैश्विक जलवायु परिदृश्य में ऊर्जा संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रचनात्मक मंचों के माध्यम से बच्चों में जागरूकता विकसित करना भविष्य के उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस वर्ष के विषय, 'एक ग्रह, एक अवसर - ऊर्जा बचाएं' और 'ऊर्जा संरक्षण: मेरी जिम्मेदारी, हमारा भविष्य' ने छात्रों को अपनी कल्पनाशील चित्रकलाओं के माध्यम से सतत विकास का संदेश व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने उनकी "रचनात्मकता, जागरूकता तथा ऊर्जा संरक्षण की विचारशील अभिव्यक्ति" की प्रशंसा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के मुख्य तकनीकी अधिकारी (CTO), श्री एल. पी. जोशी ने की, जो मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा, "उत्तराखण्ड के छात्रों द्वारा दिखाया गया उत्साह ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। उनकी कलाकृतियां इस धरती के प्रति जिम्मेदारी की भावना को खूबसूरती से प्रदर्शित करती हैं।" उन्होंने प्रतियोगिता के सुचारू और सफल संचालन के लिए शिक्षकों और आयोजकों के समर्पण की भी सराहना की।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) ने अपने स्वागत संबोधन में इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की पहल न सिफ़्र क्रिएटिविटी को बढ़ावा देती हैं, बल्कि ऊर्जा संरक्षण के प्रति ज़िम्मेदारी के बारे में विद्यार्थियों की समझ को भी गहरा करती हैं।

श्री एल. पी. जोशी, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) ने समूह 'क' (कक्षा 5-7) और समूह 'ख' (कक्षा 8-10) दोनों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेताओं को क्रमशः 50,000/-, 30,000/- और 20,000/- रुपये के पुरस्कार प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, 7,500/- रुपये के 10 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

इस प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छह प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में आयोजित हुए फाइनल में उत्तराखण्ड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर अर्जित किया। श्री ए. के. विश्वकर्मा, नोडल अधिकारी (उत्तराखण्ड) एवं उप महाप्रबंधक (मा. सं.), टीएचडीसी ने बताया कि इस वर्ष उत्तराखण्ड के 242 स्कूलों से 1,90,241 छात्रों ने इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया, जो पिछले वर्ष के 1,80,611 छात्रों की भागीदारी से अधिक है, और दोनों समूहों के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

## अरुणाचल प्रदेश सरकार की माननीय मंत्री ने किया टिहरी बांध परियोजना का दौरा



09 नवंबर, 2025 को माननीय मंत्री श्रीमती दासंगलू पुल (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, महिला एवं बाल विकास, तथा सांस्कृतिक मामले) अरुणाचल प्रदेश सरकार एवं प्रतिनिधि मंडल ने टिहरी बांध का दौरा व भ्रमण किया। टिहरी पहुंचने पर मुख्य तकनीकी अधिकारी, टीएचडीसी, श्री एल.पी. जोशी ने माननीय मंत्री का पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत किया एवं टिहरी बांध परियोजना निर्माण एवं बांध निर्माण से हुए पुनर्वास संबंधी जानकारी से अवगत कराया।

तत्पश्चात माननीय मंत्री श्रीमती दासंगलू पुल, (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, महिला एवं बाल विकास, तथा सांस्कृतिक मामले) अरुणाचल प्रदेश सरकार और उनके साथ आए अरुणाचल प्रदेश सरकार के अधिकारीगण तथा वहाँ के विभिन्न स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा टिहरी बांध परियोजना के विभिन्न स्थलों एवं पुनर्वास स्थलों का निरीक्षण किया गया। परियोजना भ्रमण के दौरान महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय), श्री विजय सहगल द्वारा माननीय मंत्री एवं उनके साथ आए अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों को टिहरी बांध परियोजना के विभिन्न कार्यस्थलों, बांध निर्माण, पॉवर हाउस एवं विद्युत उत्पादन संबंधी तथा पुनर्वास संबंधी विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया।

माननीय मंत्री, श्रीमती दासंगलू पुल द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की बोट से परियोजना के आस-पास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को भारत सरकार एवं अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत उत्पादन के लिए अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले के लोहित नदी घाटी में कलाई-॥ 1200 मेगावाट जल विद्युत परियोजना को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

माननीय मंत्री, अरुणाचल प्रदेश सरकार एवं उनके साथ आए प्रतिनिधि मण्डल का उद्देश्य टिहरी बांध परियोजना का निर्माण एवं परियोजना से हुए पुनर्वास एवं विकास संबंधी जानकारी लेना था। टिहरी बांध परियोजना निर्माण से हुए प्रभावित परिवारों का पुनर्वास एवं विकास संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए परियोजना निर्माण स्थलों का भ्रमण किया गया एवं पुनर्वासित स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई, ताकि जिला अंजाव, अरुणाचल प्रदेश की कलाई-॥ परियोजना से होने वाले बांध प्रभावित परिवारों का भी बेहतरीन पुनर्वास एवं विकास किया जा सके।

माननीय मंत्री, श्रीमती दासंगलू पुल ने कहा कि टिहरी बांध न केवल भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह जल-संवर्धन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रेरणा स्रोत है तथा इस प्रकार की परियोजनाएं देश के ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में भी जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं और टिहरी जैसी परियोजनाओं से सीख लेकर राज्य में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने टिहरी बांध निर्माण एवं पुनर्वास कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर श्री विजय सहगल, महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय), श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री नंदकिशोर, उप महाप्रबंधक (कलाई-॥ परियोजना), श्री गणेश भट्ट, उप महाप्रबंधक (पुनर्वास), श्री मनबीर सिंह नेगी, प्रबंधक (जनसम्पर्क), ओ.एस.डी., श्री बिलुसो तुलंग, माननीय मंत्री, अरुणाचल प्रदेश सरकार, श्रीमती दंगसेप्लू अप्पा, जिला पंचायत सदस्य, श्री संजैसो हलाई, जनसम्पर्क अधिकारी, माननीय मंत्री अरुणाचल प्रदेश सरकार, श्री नोसिंग पुल, रेंजर वन विभाग, अरुणाचल प्रदेश, श्री बवीम अप्पा, बाल विकास अधिकारी, अरुणाचल प्रदेश सरकार एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि अरुणाचल प्रदेश आदि उपस्थित थे।

### टिहरी परियोजना में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम



भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 07 नवम्बर, 2025 को टिहरी परियोजना में राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन कर किया गया। इस दौरान पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से गूंज उठा।

उप महाप्रबन्धक (मा.सं.- प्रशा.) श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल ने सभी कार्मिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं बल्कि भारत की आत्मा और स्वतंत्रता आनंदोलन का प्रतीक है। यह गीत हम सभी को देशभक्ति, एकता और त्याग की भावना से परिपूर्ण करता है।

इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक (वित्त एवं लेखा), श्री ए.पी. बाजपेई, अपर महाप्रबन्धक (ओ.एण्ड एम.), श्री भगत सिंह, अपर महाप्रबन्धक (नियोजन), श्री विपिन सकलानी, अपर महाप्रबन्धक (विद्युत), श्री डी.सी. भट्ट, उप महाप्रबन्धक (आई.टी.), श्री सुशील उनियाल उपस्थित थे।

### THDCIL Participated in 'Ganga Sustainability Run 4.0' to Promote Environmental Awareness in Rishikesh



THDC India Limited actively participated in the 'Ganga Sustainability Run 4.0' held at Rishikesh, Uttarakhand on 09 November, 2025. The event was organized to promote health, fitness, and environmental consciousness while spreading awareness about the importance of preserving the ecological sanctity of the holy river Ganga. The THDCIL team, led by Sh. Sanjay Kumar, GM (Finance) and Sh. Mukesh Aggarwal, AGM (TS to CMD) enthusiastically joined the run, which served as a symbolic movement to inspire collective responsibility for a cleaner and sustainable Ganga.

The initiative also highlighted Uttarakhand's growing role on the national and international stage as a hub for environmental and sustainability-oriented activities. After completing the run, team members of THDCIL reaffirmed their commitment by taking a pledge to contribute towards safeguarding and sustaining the Ganga's ecosystem for future generations.

### NCR Office Hosts Vigilance Awareness Workshop Led by Khurja Vigilance Team



A Vigilance Awareness Workshop was conducted at the NCR Office on 14 October, 2025 by the Khurja Vigilance Team, led by Sh. N. K. Bhat, AGM, and his team. The session focused on fostering transparency, integrity, and ethical conduct across organizational processes. The team discussed key aspects of preventive vigilance and highlighted best practices to strengthen a culture of accountability. Employees actively participated in the workshop, making it an insightful and impactful awareness initiative.

### खुर्जा परियोजना में सतर्कता विषय पर व्याख्यान का किया गया आयोजन



खुर्जा परियोजना में 13 नवंबर, 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत "Preventive Vigilance" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें नियमित कर्मचारी, एफटीबी एवं संविदा कर्मी शामिल थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को श्री एन. के. भट्ट, अपर महाप्रबंधक (सतर्कता) द्वारा Preventive Vigilance के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रश्न-उत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए।

### देहरादून कार्यालय में सतर्कता विषय पर व्याख्यान का आयोजन



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, समन्वय कार्यालय देहरादून में "Preventive Vigilance" पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के श्री राम कुमार द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन, नैतिक मूल्यों के पालन, पारदर्शिता एवं ईमानदारी के महत्व पर विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री संदीप कुमार ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'सतर्कता केवल एक सप्ताह का अभियान नहीं, बल्कि यह हमारे आचरण और कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। पारदर्शिता और निष्ठा ही सच्चे विकास की नींव हैं।'

### वीपीएचईपी में "वंदे मातरम्" की 150वीं वर्षगांठ पर सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन



विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) में भारत के राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में श्री अजय वर्मा, परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी) के साथ वरिष्ठ अधिकारी श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (टीबीएम); श्री पी.एस. रावत, महाप्रबंधक (पावर हाउस/टीबीएम); श्री आर.एस. राणा, महाप्रबंधक (ईएम); श्री संजय ममगाई, अपर महाप्रबंधक (एचएम/मैकेनिकल); श्री एस.पी. डोभाल, अपर महाप्रबंधक (पावर हाउस); श्री ओ.पी. आर्य, अपर महाप्रबंधक (सीओ/टाउनशिप); श्री आर.एस. पंवार, उप महाप्रबंधक (सीओ); श्री बी.एस. चौधरी, उप महाप्रबंधक (क्यूसी); तथा श्री वी.डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (प्रभारी- मानव संसाधन एवं प्रशासन) उपस्थित रहे।



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

नई ऊर्जा - नया जोश: टीएचडीसी परिवार में आप सभी का हार्दिक स्वागत है...



सुश्री लता तिवारी  
अभियंता (प्लानिंग)  
ठिहरी



श्री गौरव कुमार  
अभियंता (बिजनेस डेवलपमेंट)  
कौशांबी



श्री राहुल तोमर  
अभियंता (वाणिज्यिक)  
त्रिषिकेश



श्री नीरज कुमार वर्मा  
अभियंता (बिजनेस डेवलपमेंट)  
कौशांबी



श्री अक्षय सिंह तोमर  
अभियंता (भू-वि. एवं भू-त.)  
सिंगराली



श्री संजीव कुमार सिंह  
अभियंता (भू एड ई- सिविल)  
त्रिषिकेश



श्री आशीष  
अभियंता (पीएसफी)  
ठिहरी



श्री धीरज अधिकारी  
अभियंता (पर्यावरण) अभियंता (पीएसफी- ईएम एंड एचएम)  
पीपलकोटी ठिहरी



श्री सूरज गैरोला  
अभियंता (पीएसफी- ईएम एंड एचएम)  
ठिहरी



श्री प्रशांत वत्स  
अभियंता (प्रोजेक्ट)  
महाराष्ट्र



श्री राहुल कुमार  
अभियंता (माइनिंग)  
सिंगराली



श्री कुलवंत सिंह राजपुरोहित  
अभियंता (विद्युत-सेवा)  
त्रिषिकेश



श्री शर्मा अमरिश कुमार  
अभियंता (भू-वि. एवं भू-त.)  
त्रिषिकेश



श्री अभिषेक कुशवाहा  
अभियंता (भू-वि. एवं भू-त.)  
पीपलकोटी



श्री आशीष रंजन  
अभियंता (एमपीएस)  
त्रिषिकेश



सुश्री दीप्खा नौटियाल  
अभियंता (ओएमएस)  
त्रिषिकेश



श्री रवि प्रकाश  
अभियंता (पर्यावरण)  
खुर्जा



श्री नंदन कुमार मोहन्ता  
अभियंता (भू-वि. एवं भू-त.)  
अरुणाचल प्रदेश



श्री राहुल चौधरी  
अभियंता (सेवा)  
अरुणाचल प्रदेश



श्री शुभम पंवार  
अभियंता (परियोजना-सेवा)  
ठिहरी



श्री पीयूष गैरोला  
अभियंता (यंत्रिक)  
खुर्जा



श्री विकास मालाकार  
अभियंता (पीएसफी)  
ठिहरी



श्री मोहम्मद मुसा  
अभियंता (भू-वि. एवं भू-त.)  
पीपलकोटी



श्री शिवांश तिवारी  
अभियंता (पीएसडी)  
ठिहरी



श्री कुमुद बडोनी  
अभियंता (प्रापण)  
त्रिषिकेश



श्री संजोग मिश्रा  
अभियंता (भू-वि. एवं भू-त.)  
त्रिषिकेश



डॉ. रंजन डबराल  
अभियंता (ओएमएस)  
त्रिषिकेश



श्री चंद्रजीत सिंह  
अभियंता (विद्युत विभाग)  
सिंगराली



श्री रोमित खान  
अभियंता (टीबीएम)  
पीपलकोटी



श्री महेश बिल्ल्या  
अभियंता (यंत्रिक)  
पीपलकोटी

### HRD Corner

#### Training Program on ‘AccelERate’- ER Capability Building Initiative



THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, hosted an advanced training program “AccelERate” – ER Capability Building” from 03<sup>rd</sup> November, 2025 to 05<sup>th</sup> November, 2025, for HR Business Partners of IDFC First Bank in collaboration with IIT Roorkee, two highly respected institutions representing excellence in academia and corporate leadership.

Hosting this program successfully significantly underscored THDCIL’s strategic focus on strengthening institutional partnerships, enhancing organizational capabilities, and fostering a culture of continuous learning. This collaboration is expected to open doors for future engagements with premier institutions, further amplifying THDCIL’s national visibility and contributing to its rising reputation across the world.

#### 02-Day Training Program on Preventive Vigilance



A 2-day comprehensive Training Program on “Vigilance -as a precursor to VAW 2025” was conducted at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, from 13th to 14th November 2025 for 04 batches of executives, thus imparting training to approximately 200 executives posted at Rishikesh. The program was organized in line with the CVC’s mandate “To conduct structured training for other executives and officials by the Master Trainers /Training Institutes/Other Resources”. The program was facilitated by the executives posted in the Vigilance Department, Rishikesh, who have already completed the training program on “Preventive Vigilance for Master Trainers” in the month of September, 2025. The training served as a platform to enrich the knowledge base of officers and employees from various departments, reinforcing their role in promoting a vigilant, corruption-free, and system-driven work environment.

#### 01- Day Program on “Hindi Sangoshti”



A 01- Day program on “Hindi Sangoshti” was successfully conducted at THDCIL’s Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, on 21<sup>st</sup> November, 2025, for all Hindi Nodal Officers from various units of THDCIL. The program was designed to strengthen the implementation of the Official Language Policy and enhance coordination, linguistic competence, and foster a deeper commitment to the promotion of Hindi within the organisation.

## लेडीज़ क्लब

### लेडीज़ वेलफेर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा बाल दिवस का आयोजन



टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 11 नवंबर, 2025 को किड्स क्लब एवं तेजस्विनी क्लब के बच्चों के साथ बाल दिवस समारोह बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया।

बच्चों के लिए अनेक मज़ेदार ग्रुप गेम्स का आयोजन किया गया। म्यूजिकल चेयर्स का भी बच्चों ने खूब आनंद लिया। इस अवसर पर बच्चों में उपहार वितरित किए गए एवं बच्चों को एक शोर्ट फिल्म "One Idiot" भी दिखाई गई। इस अवसर पर, एसोसिएशन की सदस्याओं श्रीमती अमृता मेहता एवं श्रीमती रेनू वर्मा का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। क्लब की मुख्य संरक्षिका ने बच्चों को बाल दिवस के अवसर पर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

तत्पश्चात नवंबर माह में जन्मे सदस्यों का जन्मोत्सव भी बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

### मंजरी लेडीज़ क्लब, खुर्जा द्वारा बाल दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन



मंजरी लेडीज़ क्लब, खुर्जा द्वारा 14 नवंबर, 2025 को पूर्व माध्यमिक विद्यालय, दशहरा में बाल दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के रूप में मनाया जाता है। मंजरी लेडीज़ क्लब की अध्यक्षा श्रीमती बिनिता शरद ने दीप प्रज्ज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ इस कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे किसी भी समाज की नींव होते हैं, इसलिए उनका सुरक्षित, खुशहाल और स्वस्थ रहना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। मंजरी लेडीज़ क्लब द्वारा सभी बच्चों में पठन-पाठन की सामग्री का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को श्रीमती बिनिता शरद द्वारा पुरस्कार दिया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभात कुमार, सहायक प्रबंधक(जनसंपर्क) ने किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय, दशहरा के प्रधानाचार्य श्री तेजवीर सिंह ने टीएचडीसी एवं मंजरी लेडीज़ क्लब के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

### "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने पर खुर्जा परियोजना में विशेष कार्यक्रम का आयोजन



संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्र गीत "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश भर के समस्त केन्द्रीय कार्यालयों एवं विभागों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में खुर्जा परियोजना में 07 नवंबर, 2025 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें परियोजना के सभी अधिकारीगण, एफटीबी, जेर्झ एवं कर्मचारीगण उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. प्रभात कुमार, सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क) ने "वन्दे मातरम्" के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और स्वाधीनता की भावना का प्रतीक रहा है।

इसके पश्चात् सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से "वन्दे मातरम्" का गायन कर राष्ट्र गीत के गौरवशाली 150 वर्षों का उत्सव मनाया। कार्यक्रम के अंत में कार्यपालक निदेशक, श्री कुमार शरद ने अपने उद्घोषण में कहा कि वन्दे मातरम भारत माता के प्रति प्रेम, आदर और समर्पण की भावना को अभिव्यक्त करता है। इसे बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में लिखा गया था और पहली बार 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा गाया गया था। उन्होंने कहा कि आज भी "वन्दे मातरम्" प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्र गौरव, एकता और देशभक्ति की भावना को जागृत करता है।

### 03-Day training program on "Pump Storage Plants (PSP) – Concept & Policy Framework



A 03-day training program on "Pump Storage Plants (PSP) – Concept & Policy Framework" was successfully conducted from 25<sup>th</sup> to 27<sup>th</sup> November, 2025 at THDCIL's Takshshila – Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh. The program brought together participants from various recognized organizations across the power sector viz, NTPC, IREDA, REC Ltd., SJVNL, NHPC, UJVNL and THDCIL, including engineers, planners, and professionals involved in energy management, renewable integration, and hydropower development in their respective organizations.

### Research & Innovation at THDCIL: A Snapshot

Way back in 2011, THDCIL established its Research and Development Centre at Rishikesh. Since then, the R&D Department has undertaken several significant projects, many of which are being assessed by reputed institutes such as IITs, NIH, and others.

#### A. Completed R&D Projects

- Development of self-compacting concrete for hydropower structures.
- Comprehensive solutions for slope stability of the road from Zero Bridge to Koteswar.
- Condition monitoring of GI (KHEP).
- Assessment of sediment yield from the catchment area of Tehri Reservoir.
- Analysis of dynamic performance of variable-speed hydroelectric plants under grid disturbances.
- Comprehensive solution for the treatment scheme of Bhantogi Nala.
- Consultancy for improvement of the real-time inflow forecasting system for Tehri Dam Reservoir.
- Analysis and mitigation of oscillations in hydro-generator-fed transmission lines.
- Study of structural integrity of submerged intake structures under varying Tehri Reservoir water heads, with particular reference to construction and lift joints.
- Installation of a real-time inflow forecasting system on the Alaknanda River Basin.
- Development of a hack-free hydro plant control system.
- Development of a decision support system for the integrated operation of Tehri Hydropower Complex (Tehri HPP, Koteswar HPP, and variable-speed Tehri PSP).
- Indoor air pollution abatement using indoor plants.

#### B. Ongoing R&D Projects

- Enzyme engineering for the development of biofilters for plasticizer bioremediation in household water and STPs.
- Co-production of green hydrogen and biochar from biomass.
- Carbon dioxide conversion into value-added products using photo-electrochemical cells.
- Design and demonstration of an electrochemical, molten-salt-based process for green ammonia synthesis.
- Developing a phage-based strategy against antimicrobial-resistant (AMR) bacteria using Ganges water.
- Nonlinear stability of sliding: a machine-learning and mathematical-modelling-based analysis of interfacial slip stability.
- Measurement of rotational seismic ground motions in the Garhwal Himalayas.
- Developing and setting up 5G private network infrastructure and implementing multiple “5G and beyond” use cases at the THDCIL campus.
- An alternative to Li-ion batteries: design and development of sodium-based dual-ion batteries for stationary storage applications.
- Human-Assist Mule (Khacchar).
- Innovative approach toward enhancement of biohydrogen and biomethanation in two-stage anaerobic co-digestion of municipal solid waste (MSW) and sewage sludge through hydrothermal pre-treatment.
- Development of innovative sewage treatment technology with minimal energy requirement.
- Development of a hydrophobic corrosion-inhibitor MOF-epoxy coating for turbine blades.



- Modelling microplastic movement through soil matrix: a step toward plastic-waste management.
- Seismological studies through a micro-seismological network around the Tehri Dam region and a strong-motion accelerograph network.
- Rare Earth Element (REE) extraction from coal fly ash.
- Study and review of wind availability at Patan Wind Power Project and re-estimation/updation of corresponding annual energy production in line with changing wind patterns: a comprehensive data analysis.
- Quantification and attribution of climate-induced and human-derived variability in past and future terrestrial water storage of the Tehri Reservoir.
- Development of an improved THDCIL-IITR inflow forecasting model for the Tehri Hydro Complex using a strengthened hydro-meteorological network and studying changes in inflow patterns based on observed hydrometeorological data.
- Establishment of the THDC-IITR Centre of Excellence for AI in Hydropower and Associated Systems.

### C. Projects in the Process of Obtaining IPR (First Time for THDCIL)

- Human-Assist Mule (Khacchar).
- An alternative to Li-ion batteries: design and development of sodium-based dual-ion batteries for stationary storage applications.
- Development of a hydrophobic corrosion-inhibitor MOF-epoxy coating for turbine blades.
- Developing a phage-based strategy against antimicrobial-resistant (AMR) bacteria using Ganges water.
- Enzyme engineering for development of biofilters for plasticizer bioremediation in household water and STPs.

### Photo Gallery



**Signing MoU with Dean (R&D), IIT, Delhi**



**Signing MoU with Dean (SRIC), IIT, Roorkee**



**Presentation of R&D activities of THDCIL at National Conference of “Shaping sustainable future of India with Green Power” at Bikaner(Rajasthan) under the aegis of NPTI, Faridabad**

## Photo Gallery



**Presenting Innovative technologies being studied at R&D deptt. at IIT, Bombay**



**Briefing about the need and technical specifications of rotational seismometers at 7IWGoRS meeting at Opole University, Poland**



**Inauguration of experimental set-up for “co-production of green hydrogen & biochemical from bio-mass” at “Chemical Engineering Deptt.” laboratory of IIT, Roorkee**



**Inauguration of “Pilot DHS & CTF reactors” near STP of IIT, Roorkee for developing innovative sewage treatment technology with minimum energy requirement**

**मुख्य महाप्रबंधक, (मानव संसाधन एवं प्रशासन व केन्द्रीय संचार) का वीपीएचईपी दौरा**



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन व केन्द्रीय संचार) डॉ. ए. एन. त्रिपाठी ने 11 नवम्बर, 2025 को 444 मेगावाट विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान डॉ. त्रिपाठी ने परियोजना के मानव संसाधन एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और उनके कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने दोनों विभागों की गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की, टीम के प्रयासों की सराहना की तथा परियोजना स्तर पर सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने सभी वैधानिक एवं सरकारी अनुपालनों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर बल दिया तथा एच.आर. एवं पी.आर. पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में श्री वी. डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन); श्री वाई. एस. चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क); श्री अविनाश कुमार, सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क); श्री अहमद रेजा, सहायक प्रबंधक (मा.सं.); श्री डी. एस. मखलीगा, सहायक प्रबंधक (मा.सं.); एवं श्री जी. पी. घिल्डियाल, सहायक अधिकारी (राजभाषा) उपस्थित रहे।



## Beyond the Desk

### Transforming Proportion into Performance: The Science of Concrete Mix Design in Hydropower Construction



Ashutosh Vasant Sanap  
Asst. Manager (Planning)  
VPHEP

**ABSTRACT:** Concrete is the most widely used and versatile material in civil engineering, forming the structural backbone of dams, tunnels, spillways, and powerhouses in hydropower projects. These structures are often subjected to high hydrostatic pressures, thermal stresses, and aggressive environmental conditions, making the performance of concrete a critical factor in ensuring their safety and longevity. The strength, durability, and workability of concrete are governed by the precision with which its mix design is developed and implemented. The primary objective of concrete mix design is to achieve the desired workability in the fresh state and the required strength and durability in the hardened state. It involves a systematic process of proportioning cement, water, aggregates, and admixtures to meet specified performance criteria under given site conditions. This article discusses the scientific methodology adopted for concrete mix design.

**INTRODUCTION:** The mix design of concrete is governed by several interrelated parameters that collectively determine its strength, durability, and workability. Among these, the grade of concrete ( $f_{ck}$ ) specifies the desired characteristic compressive strength at 28 days, such as M25, M30, or M40, which forms the basis for proportioning the mix components. The workability of concrete, which influences ease of placement and compaction, depends on the chosen method of construction and is typically evaluated through slump tests. Furthermore, the exposure conditions play a crucial role in defining the maximum allowable water–cement ratio and the minimum cement content, ensuring the concrete's durability under aggressive environmental factors such as moisture, temperature variations, or chemical attack. Equally important are the aggregate characteristics, including their size, shape, gradation, and moisture content, as these directly influence both the workability and the strength of the mix. Finally, the type of cement and admixtures is carefully selected in accordance with the structural performance requirements and site-specific environmental conditions to achieve the desired balance of strength, durability, and workability.

**METHODOLOGY:** The process of forming a mix design for a particular grade of concrete follows a systematic sequence as per IS 10262:2019. The first step involves determining the target mean strength ( $f_{ck'}$ ) by adding a margin to the characteristic strength based on standard deviation (SD), using the relation  $\{f_{ck'} = f_{ck} + 1.65 \times SD\}$ , where  $SD = \text{sq. root of } \{\sum (f_i - f_m)^2 / (n-1)\}$ , ensures specifies the degree of variation or consistency in the compressive strength results of concrete samples

The next step is the selection of an appropriate water–cement ratio (w/c) from strength–w/c relationship curves, keeping in view both strength and durability requirements. A lower w/c ratio enhances strength and impermeability but may reduce workability. For most structural concretes, the ratio generally lies between 0.40 and 0.50. The water content is then estimated based on the desired workability and aggregate size. The use of modern admixtures such as plasticizers or superplasticizers enables reduction in water demand without compromising workability.

The cement content is calculated from the selected w/c ratio and water content, ensuring compliance with the minimum cement requirements specified for different exposure conditions. Subsequently, the proportioning of fine and coarse aggregates is carried out to achieve adequate gradation and density. Well-graded aggregates help in minimizing voids, reducing paste demand, and improving cohesiveness. Based on these calculations, mix proportions are finalized and typically represented as Cement : Fine Aggregate : Coarse Aggregate : Water. For instance, a proportion like 1:1.8:3:0.45 (w/c) indicates one part cement, 1.8 parts fine aggregate, 3.0 parts coarse aggregate, and a water–cement ratio of 0.45.

Once the preliminary mix is established, trial mixes are prepared and tested in the laboratory to evaluate parameters such as workability, density, and compressive strength. Necessary adjustments are made to aggregate proportions or admixture dosages until the desired performance criteria are achieved. The finalized mix is then subjected to field validation, wherein routine checks such as slump, temperature, and cube strength tests are carried out to ensure that the concrete consistently meets the design parameters during large-scale construction.

**CONCLUSION:** Concrete mix design is fundamental to ensuring the required strength, durability, and service life of hydropower structures. Concrete grades range from nominal mixes such as M5, M7.5, M10, and M15 used for non-structural works like levelling or foundations to design mixes such as M20 to M80, adopted for critical structural components. In hydropower projects, large structures like dams, spillways, tunnels, and powerhouses generally utilize design mix concretes of M20 to M60 for their strength and durability requirements. However, in some cases M15 to M20 grades are often used for mass concreting in dam blocks and foundations. The use of M15 is preferred due to its lower cement content, which helps control heat of hydration and minimizes thermal cracking in large pours. Since mass concrete primarily relies on self-weight and stability rather than high compressive strength, M15 provides sufficient performance with improved volumetric stability.

The selection of concrete grade depends on exposure, stress levels, and durability needs, while a scientifically designed and quality-controlled mix ensures the structural integrity and long-term performance of hydropower infrastructures.

### REFERENCES:

- IS 10262:2019: Concrete Mix Proportioning – Guidelines (Second Revision), Bureau of Indian Standards, New Delhi.
- IS 456:2000: Plain and Reinforced Concrete – Code of Practice (Fourth Revision), Bureau of Indian Standards, New Delhi.
- IS 383:2016: Coarse and Fine Aggregate for Concrete – Specification (Third Revision), Bureau of Indian Standards, New Delhi.
- IS 9103:1999: Concrete Admixtures – Specification (First Revision), Bureau of Indian Standards, New Delhi.

### भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



Sh. Anil Kumar Ghildiyal  
ED (Project)  
Arunachal Pradesh  
DOR: 30.11.2025

Shri Anil Kumar Ghildiyal, ED (Arunachal Pradesh Projects), superannuated from THDC India Limited on 30<sup>th</sup> November 2025. An alumnus of Madan Mohan Malaviya University of Technology (MMUT), Gorakhpur, he joined THDC in 1991 as an Engineer Trainee at the Koteswar Project. He played a significant role in major organizational milestones, especially the Tehri and Koteswar hydropower projects, where his technical expertise and unwavering dedication proved invaluable. His tenure at the Corporate Office, Rishikesh, in the OMS O&A Department further highlighted his ability to strengthen operational systems and institutional processes. Returning to Koteswar, he successfully handled several key responsibilities, serving as CGM, EM Design Head, Legal Head, and Head of MPS & CP. His strategic vision and administrative acumen added substantial value to each domain. In 2021, he was appointed Project Head, Koteswar, where he led the project towards greater operational efficiency and organizational alignment. In the culminating phase of his career, he served as Executive Director (ED), Arunachal Pradesh Projects, where his balanced leadership and broad expertise significantly advanced project progress and institutional robustness. His contributions to THDCIL will always be remembered.

## भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



Sh. Mukesh Verma  
GM (Cost Engineering)  
Rishikesh  
DOR: 30.11.2025

Sh. Mukesh Kumar Verma, GM (Cost Engineering) at the Corporate Office, Rishikesh, superannuated on 30<sup>th</sup> November, 2025.

A Civil Engineering graduate from KNIT, Sultanpur (U.P.) in the year 1988, Sh. Verma joined THDCIL as an Engineer Trainee in 1990. Over a distinguished career spanning more than 35 years, he served the organization with dedication across various locations and responsibilities. Sh. Verma made notable contributions to several key areas, including quality assurance for Tehri Dam, Spillway and Power House, Stores & Procurement, and construction planning of Koteswar Dam. He also played an important role in the commercial functions of the organization.

In addition, he significantly contributed to the operations and developmental activities of the Joint Ventures TUSCO and TUECO Ltd. His contributions to THDCIL will always be remembered.



Sh. Sandeep Kumar  
GM/ CEO  
TUECO/LIAISON- Dehradun  
DOR: 30.11.2025

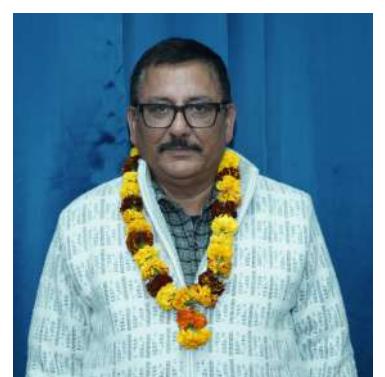
Sh. Sandeep Kumar, CEO, TUECO Limited, and former General Manager (Liaison), THDC India Limited, superannuated on 30<sup>th</sup> November, 2025 after 35 years of distinguished service. He made significant contributions to project planning, construction management, and operational strengthening, and under his leadership as TUECO's first CEO, the company initiated DPR and EIA/EMP works for the Mori-Hanol Project, successfully conducted its first Board Meeting and AGM, and advanced renewable energy initiatives by commissioning a 25 kW Rooftop Solar Power Plant under the Pradhan Mantri Suryaghar Muft Bijli Yojana, reducing energy costs. Widely respected for his professional integrity, problem-solving skills, and visionary approach, his contributions to THDCIL will always be remembered.



श्री एस.बी. प्रसाद  
अपर महाप्रबंधक (मा.सं.-प्रशा.)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



श्री ओम प्रकाश रथड़ी  
उप महाप्रबंधक (पीएसडॉ-स्टोर)  
टिहरी  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



श्री सुबोध कुमार गैरोला  
उप महाप्रबंधक (परिकल्प-विद्युत विभाग)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



श्री कुंदन सिंह मेहता  
उप प्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



श्री ममराज सिंह नेगी  
कनिष्ठ कार्यपालक (पीएसपी औ एंड एम)  
टिहरी  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



श्री रोशन लाल बडोनी  
वरिष्ठ कार्यसहायक (सर्विसेज)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



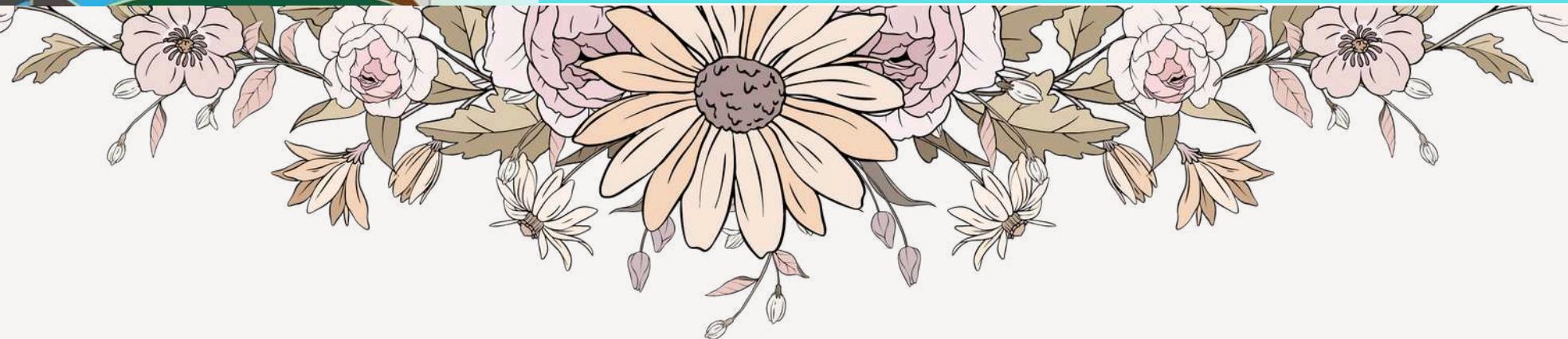
श्रीमती बिंदु पंवार  
परिचारक (अस्पताल)  
टिहरी  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



श्री सुनील कुमार  
परिचारक (सौविसेज)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



श्री राजू बहनवार  
परिचारक (बांध)  
पीपलकोटी  
सेवानिवृत्ति: 30-11-2025



Gone from our sight, but never from our hearts.

## in loving memory of



Sh. R.K. Vishnoi

30 March, 1967 - 15 November, 2025

His strategic vision, humility, and dedication to service will forever remain a guiding light for the organization.

Sh. Vishnoi will always be remembered with respect and gratitude by the entire THDCIL family.



डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित

फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: [www.thdc.co.in](http://www.thdc.co.in), ईमेल: [prthdcil@gmail.com](mailto:prthdcil@gmail.com) & [hj.thdc@gmail.com](mailto:hj.thdc@gmail.com)

गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।  
(निश्चित आंतरिक वितरण के लिए)